भारत का किसान

भारत के ८० प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं | कीसन खेती करता है | वह हमारे लिए गेहूँ, चावल, जौ, मक्की, चना, दालें, गन्ना और शाक्सब्जियाँ आदि उगाता है | ये चीजें हमारा भोजन हैं | वह सरसों, मूंगफली, तिल और तिलहन आदि उपजाता है, जिनसे हमें तेल, वनस्पति घी आदि मिलते हैं |

हमारे शरीर को ढकने के लिए वस्त्र कहाँ से आते हैं ? कपड़े रुई से बनते हैं | रुई कपास से निकलती है | कपास के बिच (बिनौले) अलग कर दें और उसे साफ कर दें तो रुई बन जाती है | इस रुई को कातने से धागा बनता है, जिसे तनने-बुनने से वस्त्र बनते हैं | इसलिए किसान हमारा “अन्नदाता” ही नहीं “वस्त्रदाता” भी है |

सवेरा होने से पहले ही किसान जागता है | शौच-स्नान के बाद वह एक-आध बासी रोटी मिर्च या गुड़ के साथ खाकर काम के लिए तैयार हो जाता है | वह बैलों को सानी-पानी देकर उनकी पीठ थपथपाता है | फिर हल-बैल लेकर खेत पर जा पहुँचता है |

खेत में वह हल चलाता, सुहागा फेरता, जमीन को समतल करता है | फिर बिज बोकर सिंचाई करता है | अंकुर निकलने पर वह पशु-पक्षियों से उनकी रक्षा करता है | वह खुरपी से निराई करके अपने आप उग आए व्यर्थ के पौधे उखाड़ फेंकता है |

जब फसल पाक जाती है तो किसान, उसकी पत्नी तथा पुत्र-पुत्री सब मिलकर फसल काटते हैं | किसान अपनी पैदावार को मंडी में बेच आता है | गेहूँ, चावल आदि अब सरकारी गोदामों में पहुंचाये जाते हैं | सरकार की ओर से उनका दाम चुकाया जाता है |

कई किसान पेड़ लगाते, गाय-भैंस पालते, मुर्गियाँ पालते और रेशम के कीड़े भी पालते हैं | इस तरह किसान मेहनत करता, कष्ट उठाता और हमारे लिए उपयोगी चीजें उत्पन्न करता है |

भारत में स्वतन्त्र होने के बाद सिंचाई के साधन बढ़े हैं | बड़े खेतों वाले किसान ट्रेक्टर से खेती करने लगे हैं | सरकार ने अच्छे बीज और खाद देने का प्रबन्ध किया है | गाँव-गाँव में स्कूल खोलकर तथा बिजली पहुंचा कर सर्कार अब भारत के किसानों का जीवन ऊँचा उठाने का प्रबन्ध कर रही है | परिश्रम के धनि किसान की जय !

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.